पुष्यभूति वंश या वर्द्धन

1. थानेश्वर में वर्धन वंश/पुष्यभूति वंश की स्थापना किसने की ?
(अ) राज्यवर्धन (ब) आदित्यवर्धन
(स) पुष्यभूतिवर्धन (द) नरवर्धन
उत्तर : (स)
व्याख्याः– पुष्यभूति वंश या वर्द्धन वंश की स्थापना छठी शताब्दी ई. में गुप्त वंश के पतन के बाद हरियाणा राज्य के अम्बाला जिले के थानेश्वर नामक स्थान पर हुई थी। इस वंश का संस्थापक पुष्यभूति का माना जाता है जो कि शिव का उपासक और परम भक्त था। इनकी राजधानी थानेश्वर थी।

2. सूची–I का सूची–II से सुमेलित कीजिए :

सूची–I (राज्य)	सूची–II (राजधानी)
A. वर्धन	1. थानेश्वर
B. मौखरि	2. कन्नौज
C. वाकाटक	3. पुरिका
D. मैत्रक	4. वल्लभी

(अ) A – 1, B – 2, C – 3, D - 4
(ब) A – 2, B – 1, C – 4, D - 3
(स) A – 1, B – 2, C – 4, D - 3
(द) A – 4, B – 3, C – 2, D - 1
उत्तर : (अ)
व्याख्याः– वर्द्धन वंश को पुष्यभूति वंश भी कहा जाता है। इसकी राजधानी थानेश्वर थी। मौखरि वंश के सामंत ने अपनी राजधानी कन्नौज बनाई। वाकाटक राजवंश की स्थापना 255 ई. में विंध्यशक्ति नामक व्यक्ति ने की थी। इसकी राजधानी पुरिका थी। वल्लभी गुजरात के सौराष्ट्र क्षेत्र में भावनगर के निकट स्थित एक प्राचीन नगर है जो मैत्रक राजवंश की राजधानी था।

3. सूची–I का सूची–II से सुमेलित कीजिए :

सूची–I (राजवंश)	सूची–II (संस्थापक)
A. वर्धन	1. भटार्क
B. मौखरि	2. हरि वर्मा
C. वाकाटक	3. विंध्यशक्ति
D. मैत्रक	4. पुष्यभूति

(अ) A – 1, B – 2, C – 3, D - 4
(ब) A – 4, B – 2, C – 3, D - 1
(स) A – 4, B – 3, C – 2, D - 1
(द) A – 2, B – 1, C – 3, D - 4
उत्तर : (ब)
व्याख्याः– पुष्यभूति वंश या वर्द्धन वंश की स्थापना छठी शताब्दी ई. में गुप्त वंश के पतन के बाद हरियाणा राज्य के अम्बाला जिले के थानेश्वर नामक स्थान पर हुई थी। इस वंश का संस्थापक पुष्यभूति का माना जाता है जो कि शिव का उपासक और परम भक्त था। इनकी राजधानी थानेश्वर थी। मौखरि वंश के संस्थापक हरिवर्मा थे। इसकी राजधाी कन्नौज थी। वाकाटक राजवंश की स्थापना 255 ई. में विंध्यशक्ति नामक व्यक्ति ने की थी। इसकी राजधानी पुरिका थी। मैत्रक वंश का संस्थापक भट्टारक एक सेनापति था, जिसने गुप्त वंश के पतन का लाभ उठाकर स्वयं को गुजरात और सौराष्ट्र का शासक घोषित कर दिया और वल्लभी को अपनी राजधानी बनाया।

4. कदम्ब राज्य की स्थापना मयूरशर्मन की थी। उसने अपनी राजधानी किसे बनाया था ?
(अ) बंगाल को
(ब) कन्नौज को
(स) वैजयन्ती या वनवासी को
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (स)
व्याख्याः– कंदब दक्षिण भारत का एक ब्राह्मण राजवंश था। कदम्ब राजवंश की स्थापना मयूरशर्मन ने की थी। इसकी राजधानी वैजयन्ती अथवा वनवासी थी। ऐतिहासिक साक्ष्य के अनुसार कदम्ब राज्य का संस्थापक मयूर शर्मन नामक का एक ब्राह्मण था जो विद्याध्ययन के लिए कांची में रहता था और किसी पल्लव राज्याधिकारी द्वारा अपमानित होने पर चौथी शती ईस्वी के मध्य (लगभग 345 ई.) प्रतिरोधस्वरूप कर्नाटक में एक छोटा सा राज्य स्थापित किया था जिसकी राजधानी वैजयंती अथवा वनवासी थी। इस वंश के शासक रवि वर्मन ने राजधानी वनवासी से हटाकर पालाशिका अथवा हाल्सी (बेलगाँव, कनार्टक) को बनाया।

5. निम्नलिखित में वह अंतिम बौद्ध राजा कौन था, जो संस्कृत का महान् विद्वान और लेखक था ?
(अ) कनिष्क (ब) अशोक
(स) बिम्बिसार (द) हर्षवर्धन
उत्तर : (द) SSC 2002
व्याख्याः– वर्द्धन वंश के शासक राज्यवर्द्धन की मृत्यु के बाद 606 ई. में 16 वर्ष की अवस्था में उसका छोटा भाई हषवर्धन थानेश्वर की गद्दी पर बैठा। हर्ष को शिलादित्य के नाम से भी जाना जाता है। प्रारंभ में हर्ष भगवान शिव का परमभक्त था। चीनी यात्री हुएनसांग से मिलने के बाद उसने बौद्ध धर्म की महायान शाखा को राज्याश्रय प्रदान

www.rajstudents.com

किया तथा वह पूर्ण बौद्ध बन गया। प्रियदर्शिका रत्नावली तथा नागानन्द नामक तीन संस्कृत नाटक ग्रंथों की रचना हर्ष ने की थी। कहा जाता है कि धावक नामक कवि ने हर्ष से पुरस्कार लेकर उसके नाम से ये तीनों नाटक लिख दिए। बाणभट्ट हर्ष के दरबारी कवि थे। उन्होंने हर्षचरित एवं कादम्बरी की रचना की।

6. 'हर्षचरित' किसके द्वारा लिखी गई थी ?
(अ) कालिदास (ब) बाणभट्ट
(स) वाल्मीकि (द) व्यास
उत्तर : (ब) SSC 2002, BPSC 2005
व्याख्याः– बाणभट्ट सातवीं शताब्दी के संस्कृत गद्य लेखक और कवि थे। वह राजा हर्षवर्धन के दरबारी कवि थे। उन्होंने हर्षचरित एवं कादम्बरी की रचना की। बाणभट्ट के गुरु भर्चु थे। हर्षचरितम् राजा हर्षवर्धन का जीवन चरित्र था और कादम्बरी दुनिया का पहला उपन्यास था। कादंबरी पूर्ण होने से पहले ही बाण भट्ट का देहांत हो गया तो उपन्यास पूरा करने का कार्य उनके पुत्र भूषण भट्ट ने अपने हाथ में लिया। दोनों ग्रंथ संस्कृत साहित्य के महत्वपूर्ण ग्रंथ माने जाते हैं।

7. हर्षवर्धन के शासनकाल में कौन सा चीनी तीर्थयात्री भारत आया था ?
(अ) फाहियान (ब) इत्सिंग
(स) मेगस्थनीज (द) हुएनसाँग
उत्तर : (द) SSC 2001, RRB 2004, UPPCS 2012
व्याख्याः– हुएनसाँग एक प्रसिद्ध चीनी बौद्ध भिक्षु था। उसे यात्रियों में राजकुमार, नीति का पंडित एवं वर्तमान शाक्यमुनि कहा जाता है। वह हर्षवर्धन के शासनकाल में भारत आया। हुएनसांग 629 ई. में चीन से भारतवर्ष के लिए प्रस्थान किया और लगभग एक वर्ष की यात्रा के बाद सर्वप्रथम वह भारतीय राज्य कपिशा पहुँचा। भारत में 15 वर्षों तक ठहरकर 645 ई. में चीन लौट गया। वह नालंदा विश्वविद्यालय (नालंदा जिला, बिहार) में अध्ययन करने तथा भारत से बौद्ध ग्रंथों को एकत्र कर ले जाने के लिए भारत आया था। इसका भ्रमण वृतांत सि–यू–की नाम से प्रसिद्ध है, जिसमें 138 देशों का विवरण मिलता है। इसने हर्षकालीन समाज, धर्म तथा राजनीति के बारे में वर्णन किया है। इसके अनुसार सिन्ध का राजा शूद्र था। हुएनसांग ने बुद्ध की प्रतिमा के साथ–साथ सूर्य और शिव की प्रतिमाओं का भी पूजन किया था। तत्कालीन समय में नालंदा विश्वविद्यालय के कुलपति आचार्य शीलभद्र थे। यह विश्वविद्यालय बौद्ध दर्शन के लिए प्रसिद्ध था।

8. चालुक्य राजा पुलकेशिन द्वितीय को किसने पराजित किया था ?
(अ) महेन्द्रवर्मन प्रथम (ब) नरसिंहवर्मन प्रथम
(स) परमेश्वरवर्मन प्रथम (द) परांतक प्रथम
उत्तर : (ब) SSC 2001
व्याख्याः– पल्लव वंश के शासक नरसिंहवर्मन ने चालुक्य वंशीय शासक पुलकेशिन द्वितीय लगभग 642 ई. में परास्त किया। कूरम अभिलेख में नरसिंहवर्मन की इस सफलता का उल्लेख मिलता है जिसके अनुसार नरसिंहवर्मन ने पुलकेशिन द्वितीय को परियाल, शूरमार तथा मणिमंगलम् के युद्धों में पूर्णरूपेण पराजिति किया तथा उसकी पीठ पर विजयाक्षर अंकित कर दिया। बाद में नरसिंहवर्मन ने चालुक्य की राजधानी वातापी/बादामी पर अधिकार कर लिया। इसी विजय के बाद नरसिंहवर्मन ने वातापिकाण्ड की उपाधि की उपाधि धारण की।

9. किस व्यक्ति को 'द्वितीय अशोक' कहा जाता है ?
(अ) समुद्रगुप्त (ब) चन्द्रगुप्त मौर्य
(स) स्कंदगुप्त (द) हर्षवर्धन
उत्तर : (द) SSC 1999
व्याख्याः– वर्द्धन वंश के शासक हर्षवर्धन को द्वितीय अशोक कहा जाता है।

10. बाणभट्ट किस शासक के राजदरबारी कवि थे ?
(अ) विक्रमादित्य (ब) कुमारगुप्त
(स) हर्षवर्धन (द) कनिष्क
उत्तर : (स) SSC 1999
व्याख्याः– बाणभट्ट सातवीं शताब्दी के संस्कृत गद्य लेखक और कवि थे। वह राजा हर्षवर्धन के दरबारी कवि थे। उन्होंने हर्षचरित एवं कादम्बरी की रचना की। बाणभट्ट के गुरु भर्चु थे। हर्षचरितम् राजा हर्षवर्धन का जीवन चरित्र था और कादम्बरी दुनिया का पहला उपन्यास था। कादंबरी पूर्ण होने से पहले ही बाण भट्ट का देहांत हो गया तो उपन्यास पूरा करने का कार्य उनके पुत्र भूषण भट्ट ने अपने हाथ में लिया। दोनों ग्रंथ संस्कृत साहित्य के महत्वपूर्ण ग्रंथ माने जाते हैं।

11. हर्ष एवं पुलकेशिन द्वितीय के मध्य हुए संघर्ष की जानकारी कहाँ से मिलती है ?
(अ) ऐहोल अभिलेख (ब) बंसखेड़ा लेख
(स) हाथीगुम्फा अभिलेख (द) हेनसांग के वर्णन से
उत्तर : (अ)
व्याख्याः– हर्ष एवं पुलकेशिन द्वितीय के मध्य हुए संघर्ष की जानकारी ऐहोल अभिलेख से मिलती है। एहोल (बीजपुर, कर्नाटक) से चालुक्य नरेश पुलकेशिन द्वितीय का एक अभिलेख प्राप्त हुआ है। यह प्रशस्ति के रूप में है और संस्कृत काव्य

परम्परा में लिखा गया है। इसका रचयिता जैन कवि रविकीर्ति था। हर्ष और पुलकेशिन द्वितीय के मध्य नर्मदा नदी के तट पर युद्ध हुआ, जिसमें हर्ष की पराजय हुई। इसका उल्लेख ऐहोल अभिलेख में मिलता है।

12. 'प्रतापशील', 'हुण हरिण केसरी', 'महाराजाधिराज' नामक उपाधियाँ निम्न में से किसकी की थी ?
(अ) नरवर्द्धन (ब) प्रभाकरवर्द्धन
(स) आदित्यवर्धन (द) राज्यवर्धन
उत्तर : (ब)

13. सम्राट हर्ष ने अपनी राजधानी थानेश्वर से कहाँ स्थानान्तरित की थी ?
(अ) प्रयाग (ब) दिल्ली
(स) कन्नौज (द) राजगृह
उत्तर : (स)

14. 'सकलौत्तरापथनाथ' किसे कहा गया है ?
(अ) कनिष्क (ब) हर्षवर्धन
(स) प्रभाकरवर्धन (द) राज्यवर्धन
उत्तर : (ब)

15. हुएनसांग ने किसे 'शिलादित्य' कहा है ?
(अ) चन्द्रगुप्त मौर्य (ब) चन्द्रगुप्त द्वितीय
(स) अशोक (द) हर्षवर्धन
उत्तर : (द)

16. गुप्त वंश के पतन के पश्चात् उत्तर भारत में बड़े भाग का पुनर्गठन किसने किया ?
(अ) चालुक्य (ब) राजपूत
(स) हर्षवर्धन (द) शक
उत्तर : (स) RRB 2004

17. बंगाल का कौन–सा शासक हर्ष का समकालीन था ?
(अ) शशांक (ब) ध्रुवसेन
(स) पुलकेशिन द्वितीय (द) भास्करवर्मन
उत्तर : (अ) RRB 2005

18. चालुक्य शासक पुलकेशिन द्वितीय ने किस नदी के किनारे हर्षवर्धन को परास्त किया था ?
(अ) महानदी के (ब) ताप्ती के
(स) नर्मदा के (द) गोदावरी के
उत्तर : (स) RRB 2005

19. हर्ष के शासनकाल में उत्तर भारत का सबसे महत्वपूर्ण शहर कौन–सा था ?
(अ) पाटलिपुत्र (ब) उज्जैन
(स) कन्नौज (द) थानेश्वर
उत्तर : (स) RRB 2004

20. हर्ष की जीवनी किसने लिखी ?
(अ) फिरदौसी (ब) बाणभट्ट
(स) वराहमिहिर (द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (ब) RRB 2004

21. हर्षवर्धन अपनी धार्मिक सभा कहाँ किया करता था ?
(अ) मथुरा (ब) प्रयाग
(स) वाराणसी (द) पेशावर
उत्तर : (ब) RRB 2003

22. वर्धन वंश की राजधानी थानेश्वर किस प्रदेश में स्थित है ?
(अ) उत्तर प्रदेश (ब) हरियाणा
(स) मध्य प्रदेश (द) बिहार
उत्तर : (ब)

www.rajstudents.com